

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2009

## प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ज्योतिष योग)

1. किन्हीं दो का उत्तर दें :-  
i निर्धन योग    ii धन योग    iii राज योग
2. जन्मांग में केन्द्र स्थानों की महत्ता समझाएं। उदाहरण सहित व्याख्या करें।
3. निम्न कुण्डली में पाए गए किन्हीं पांच योगों पर चर्चा करें :-  
लग्न कर्क 3:50, सूर्य धनु 2:57, चन्द्र मेष 18:07,  
मंगल वृश्चिक 18:07, बुध धनु 12:41, गुरु(व) कर्क 00:07,  
शुक्र धनु 10:45, शनि(व) वृष 14:38, राहु सिंह 04:08  
(जन्म 18.12.1942, 20:22, गोरखपुर उ०प्र०)
4. किन्हीं दो पर संक्षिप्त में लिखें :-  
i शुक्र की वृषभ और वृश्चिक में स्थिति  
ii शनि की मेष और तुला में स्थिति  
iii लक्ष्मी और सरस्वती योग
5. किन्हीं दो का उत्तर दें :-  
i दशम भाव की महत्ता  
ii बृहस्पति के कर्क और मीन में स्थिति के सामान्य फल  
iii कहल योग

### भाग-II (दशा व गोचर)

6. किन्हीं दो को समझाएं।  
i गोचर में चन्द्रमा का महत्त्व  
ii शुक्र महादशा के सामान्य फल  
iii गोचर के फल किस प्रकार फलित होते हैं? वेध कब होता है?
7. गुरु ने 18.12.08 को धनु से मकर में गोचर किया। सभी 12 राशियों में जन्मे जातकों के सामान्य फल बताएं।
8. जन्म शनि, अष्टम शनि व अर्ध अष्टम शनि का सिंह राशि में जन्मे जातक पर होने वाले प्रभाव का विशलेषण करें।
9. विंशोत्तरी दशा पद्धति के मुख्य नियमों पर प्रकाश डालें।
10. विंशोत्तरी दशा पद्धति में सभी महादशाओं के सामान्य फलों पर चर्चा करें।